Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

31 दिसम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 35 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

अरूल अरोरा ने सैकड़ों बच्चों को दिया अविस्मरणीय तोहफा

शतरंज का इंटरनेशनल टुर्नामेंट 8 व 9 जनवरी को

नीमच। नीमच एक इतिहास रचने जा रहा है। सैकड़ो बच्चों को वो खुशी मिलने जा रही है जिसकी कल्पना उन्होंने सपने मे भी नही की थी। अब नीमच जिले के बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना पाएंगे।

ये अवसर आ रहा है नये साल 2026 के आरंभ मे।सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र मे अपूर्व योगदान देकर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके समाजसेवी अरूल अरोरा नीमच की धरती पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ(फीडे) का अंतरराष्ट्रीय टुर्नामेंट कराने जा रहे है। अपने दादाजी स्व.कश्मीरी लाल जी अरोरा की पुण्य स्मृति मे ये आयोजन होगा।

डिस्ट्रिक्ट चैस एसोसिएशन नीमच के तत्वावधान मे आल इंडिया चैस फेडरेशन के निर्देशन मे आगामी 8 व 9 जनवरी को स्थानीय लायन डेन मे शतरंज का अंतरराष्ट्रीय टुर्नामेंट आयोजित होगा।

डिस्ट्रिक्ट चैस एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय रत्न गर्ग,उपाध्यक्ष नीतिन साहू ओरगेनाईजिंग कमेटी के अध्यक्ष नरेन्द्र सोनी,उपाध्यक्ष संतोष कोटवानी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस एतिहासिक आयोजन की तैयारी जोर शोर से जारी है। फीडे जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था का टुर्नामेंट कराना हमारे लिए गर्व की बात है। स्पर्धा मे देश विदेश के 300 खिलाड़ी भाग ले रहे है। कुल टोटल 9 राऊंड के मैच होंगे। विजेताओं को एक लाख इक्यावन हजार रूपए के साथ चमचमाती ट्राफी भी प्रदान की जाएगी। बेस्ट एमपी व बेस्ट नीमच को भी पुरूस्कृत किया जाएगा। श्री गर्ग व श्री सोनी ने बताया कि नीमच के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए भी नकद ईनाम व मैडल की

विशेष व्यवस्था की गई है। अरूल अरोरा ने बताया कि इतना भव्य आयोजन शहर के खेलप्रेमियों व नागरिकों के सहयोग से ही संभव है। आपका सहयोग एक स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। ऐसा हमे विश्वास है। ओरगेनाईजिंग कमेटी के मीडिया प्रभारी ऐश्वर्य शर्मा(पवन) ने उक्त जानकारी दी।

मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से नीमच की हजारों गर्भवती महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के तहत नीमच जिले की जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आर्थिक संबल मिल रहा है। इस योजना के माध्यम से गर्भावस्था और शिशु के जन्म के बाद मां और बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में 5 हजार रुपए की सहायता राशि भेजी जा रही है। योजना का लाभ पा रही महिलाएं खुश नजर आ रही हैं और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त कर रही हैं।

नीमच । प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के तहत नीमच जिले की जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आर्थिक संबल मिल रहा है। इस योजना के माध्यम से गर्भावस्था और शिशु के जन्म के बाद मां और बच्चे की बेहतर देखभाल के लिए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में 5 हजार रुपए की सहायता राशि भेजी जा रही है। योजना का लाभ पा रही महिलाएं खुश नजर आ रही हैं और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त कर रही हैं। इस योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रसव के दौरान आर्थिक सहयोग देना है, ताकि मां और नवजात दोनों स्वस्थ रह सकें। मध्य प्रदेश के नीमच जिले में इस योजना से अब तक करीब 49,490 महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा-उषा कार्यकर्ताओं की मेहनत से गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, टीकाकरण और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही गर्भावस्था से लेकर प्रसव के बाद तक मां और नवजात की नियमित निगरानी की जा रही है। नीमच की महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी अंकिता पंड्या ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत कुल 49,490 महिलाओं को चिन्हित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह योजना वर्ष 2017 से लागू है, जिसके तहत प्रथम प्रसव पर महिलाओं को 5 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इसके अलावा दूसरे प्रसव पर बालिका के जन्म की स्थिति में 6 हजार रुपए का प्रावधान है। इस राशि का उपयोग महिलाएं अपनी पोषण संबंधी आवश्यकताओं और गर्भावस्था के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए कर रही हैं। जावद तहसील की ढाणी पंचायत अंतर्गत गांव आटा निवासी मोहिनी धाकड़ ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता धाकड़ ने उनका पंजीयन करवाया और योजना की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के बाद उनके खाते में 3 हजार रुपए की राशि आई, जिसका उन्होंने अपने स्वास्थ्य और जरूरतों के लिए उपयोग किया। बेटी के जन्म के बाद साढ़े तीन महीने के टीकाकरण के पश्चात उन्हें 2 हजार रुपए और मिले। उन्होंने कहा कि इस सहायता से उन्हें काफी राहत मिली और इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करती हैं। गांव आटा की ही सपना धाकड़ ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उनका फॉर्म प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में भरा गया। गर्भावस्था के दौरान उन्हें 3 हजार रुपए मिले और बेटे के जन्म के बाद साढ़े तीन महीने के टीकाकरण पर 2 हजार रुपए और मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह राशि उनके और उनके बच्चे के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है और इसके लिए वह प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करती हैं। वहीं, जावद तहसील के गांव सकतपुरिया की रहने वाली मोनिका राठौर ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से मिली। गर्भावस्था के दौरान तीन महीने के टीकाकरण के बाद उन्हें 3 हजार रुपए और बाद में 2 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि इस सहायता से गर्भावस्था के समय उन्हें काफी लाभ हुआ।

पुलिसकर्मियों की कार ने बाइक को टक्कर मारी : दो घायल, प्रत्यक्षदर्शियों बोले- कार सवार दोनों नशे में थे

नीमच । कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत कनावटी में देवनारायण मंदिर के पास सोमवार रात 11.30 बजे एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दो लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और वाहन 112 को हादसे की सूचना दी गई। जिसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार में सवार दो व्यक्तियों ने शराब पी रखी थी और उन्होंने बाइक को टक्कर मारी। दोनों व्यक्ति पुलिस से जुड़े हुए थे और नशे की हालत में वाहन चला रहे थे। निर्माणधीन सड़क पर मिट्टी होने के कारण तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बाइक से टकराई और पलट गई।

घायलों की पहचान अतुल्ला खा पिता अस्मत पहलवान और सोहेल के रूप में हुई है। उन्हें 108 एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय ले जाया गया। कैंट पुलिस ने बताया कि कनावटी में दुर्घटना हुई है और जिला चिकित्सालय से रिपोर्ट मिलने के बाद घायलों की स्थिति और उनके बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस फिलहाल फरार कार सवारों की तलाश कर रही है और इस मामले में पुलिसकर्मियों की संभावित भूमिका की भी जांच की जा रही है।

घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। यह घटना करीब डेढ़ माह पूर्व जावद थाने में पदस्थ उप निरीक्षक मनोज यादव द्वारा शराब के नशे में कार से बाइक सवार को टक्कर मारने की याद दिलाती है, जिसमें एक शिक्षक की मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी और दो बच्चे घायल हुए थे।

नीमच में अटल युवा सम्मेलन युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर उपस्थित रहेंगे - मनीष शर्मा

नीमच । बुधवार को नीमच में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा अटल युवा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर होंगे । भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनीष शर्मा ने कहा है कि इस अटल युवा सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को अटल जी के विचारों से अवगत कराना है यह आयोजन 31 दिसंबर 2025 बुधवार को हो दोपहर 1 बजे जिला भाजपा कार्यालय 'तपोभूमि' नीमच में होगा । भाजपा युवा मोर्चा के नेता मनीष शर्मा ने कहा हे की अटल युवा सम्मेलन में युवाओं का स्वागत है, आप सभी इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो ।

जिला प्रशासन एवं न.पा. की टीम ने नीमच शहर में की बड़ी कार्यवाही

लगभग 42 करोड़ मूल्य की 6.05 हेक्टेयर जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशेन में जिला प्रशासन द्वारा नीमच शहर में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध मंगलवार को नीमच शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्यवाही कर, लगभग 42 करोड़ रूपये मूल्य से अधिक की 6.05 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया है। अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई न.पा.नीमच की उक्त जमीन का उपयोग शहर विकास के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट एवं निर्माण कार्यो के लिए किया जावेगा।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देशन में मंगलवार को एसडीएम श्री संजीव साहू, न.पा.सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया, तहसीलदार श्री संजय मालवीय एवं डॉ.अजेन्द्रनाथ प्रजापति की उपस्थिति में राजस्व, पुलिस एवं न.पा.की संयुक्त टीम ने नीमच शहर स्थित नगरपालिका क्षेत्र नीमच की अम्बेडकर कालोनी में खेत नम्बर 5 की 0.50 हेक्टेयर जमीन पर से अवैध अतिक्रमण हटाकर 5 करोड़ रूपये मूल्य की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया है। टीम ने जे.सी.बी. और अन्य मशीनरी की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की है। इसके साथ ही प्रशासन की उक्त टीम द्वारा पुराना चर्मशोधन कारखाना के पीछे एवं आसपास स्थित न.पा.नीमच के खेत नम्बर 32 के रकबा 2.4 हेक्टेयर जमीन का कब्जा हटाकर लगभग 19.98 करोड़ मूल्य की जमीन को न.पा. के आधिपत्य में लिया गया है। नायब तहसीलदार डॉ.अजेन्द्रनाथ प्रजापति ने उक्त जानकारी देते हुए मंगलवार को दिनभर चली इस अतिक्रमण हटाओं मुहीम में अम्बेडकर कॉलोनी की पुलिया के पास स्थित भूखण्ड क्रमांक 5 एवं शंभु व्यायाम शाला के पास स्थित भूखण्ड क्रमांक 8 का कब्जा हटाकर, भूखण्ड का आधिपत्य न.पा.नीमच द्वारा लिया गया है। इन भूखण्डों पर न.पा.नीमच ने अपने आधिपत्य का बोर्ड लगा दिया है और भूखण्ड पर प्रीकास्ट बाउण्ड्री की जा रही है ।

इसके अलावा प्रशासन की इस टीम द्वारा मंगलवार की दोपहर पश्चात सीआरपीएफ के पीछे लेवड़ा रोड़ स्थित न्यू गार्डन 30 एवं 35 की 3.51 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाकर, 16.87 करोड़ रूपये बाजार मूल्य की इस जमीन को नगरपालिका नीमच द्वारा अपने आधिपत्य में लेकर इस पर नगरपालिका का बोर्ड लगा दिया गया है। प्रशासन द्वारा मंगलवार को नीमच शहर में अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई उक्त जमीनों का उपयोग शहर के विकास के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट एवं निर्माण के लिए किया जाएगा।

लौटी रौनक : नीमच मंडी में प्याज की आवक बढ़ी, क्वालिटी सुधरने से दाम चढ़े

नीमच । कृषि मंडी में नई प्याज की आवक माह की शुरुआत में शुरू हो गई थी। बारिश से देरी से बोए गए क्षेत्रों से अब तेजी से माल पहुंच रहा है। पहले रोज 5 से 8 हजार बोरी आवक थी, जो बढ़कर 10 हजार बोरी से अधिक हो गई है। शुरुआती दिनों में गीली क्वालिटी के कारण भाव 250 से 1450 रुपए क्विंटल रहे।

क्वालिटी सुधरने पर दाम बढ़े। 26 दिसंबर को अधिकतम भाव 2091 रुपए क्विंटल था, जो 29 दिसंबर को 2250 रुपए पहुंच गया। मॉडल रेट 1200 रुपए क्विंटल रहा। हल्की क्वालिटी का न्यूनतम भाव 400 रुपए क्विंटल रहा। व्यापारियों के अनुसार बाजार में हल्की तेजी और उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी।

साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया (I.N.D.I.A.) के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट,

नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लएसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो।ह्व यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दशार्ता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

संपादकीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लग सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। लेकिन जब स्वामित्व निजी कंपनी का होगा, तो पीढ़ितों को मुआवजे का बोझ करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए? परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में यह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8, 900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

नशे पर नीमच पुलिस का भीषण प्रहार : वर्ष 2025 में 31.78 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, 346 तस्कर गिरफ्तार

नीमच। मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश के निर्देशों के पालन में, नीमच पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के नेतृत्व में जिले में नशे के सौदागरों के विरुद्ध साल भर सघन अभियान चलाया गया। वर्ष 2025 में नीमच पुलिस ने तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए 31.78 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त कर 346 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा है।

नशे के विरुद्ध डिजिटल स्ट्राइकः ड्रोन से पकड़ी गई खेती – पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध खेती को नष्ट करने के लिए ड्रोन कैमरों का सहारा लिया गया। दिसंबर 2025 में कुकड़ेश्वर क्षेत्र के ग्राम शिवपुरिया और अमरगढ़ में ड्रोन सर्चिंग के माध्यम से 33 हजार गांजे के हरे पौधे (वजन 7.64 क्विंटल) बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 28 लाख रुपये आंकी गई है।

बड़े तस्करों की गिरफ्तारी – नीमच पुलिस ने इस वर्ष लंबे समय से फरार चल रहे इनामी और कुख्यात तस्करों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार मुख्य आरोपियों में शौकीन धाकड़, रतनलाल उर्फ कान्हा माली, राकेश बलाई, जमनालाल धाकड़ और तूफान बंजारा शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक का संदेशः 'नशे के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

हमारा लक्ष्य नीमच जिले को पूरी तरह नशामुक्त बनाना और तस्करी की आर्थिक कमर तोड़ना है। अपराधियों की संपत्तियों की कुर्की और कठोरतम कानूनी धाराओं में कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

विभिन्न श्रेणियों में हुई बड़ी बरामदगी:

मादक पदार्थ	प्रकरण	कुल जब्ती	अनुमानित मूल्य
डोडाचूरा	121	181.63 क्विंटल	₹27.24 करोड़
गांजा	06	1134 किलोग्राम	₹2.17 करोड़
अफीम	14	29.371 किलोग्राम	₹1.47 करोड़
स्मैक/MD	08	561.87 ग्राम	₹83.96 लाख

कार्रवाई का मुख्य लेखा-जोखा (वर्ष 2025)

- नीमच पुलिस ने तकनीकी और मुखबिर तंत्र के साथ-साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग कर तस्करी पर लगाम कसी है ।
- **कुल प्रकरणः** 149 मामले दर्ज।
- **कुल जब्तीः** लगभग 196 क्विंटल अवैध मादक पदार्थ।
- **गिरफ्तार तस्करः** 346 आरोपी।
- **संपत्ति सीजः** 06 बड़े तस्करों की 8.56 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति 'सफेमा एक्ट' के तहत सीज की गई।
- **कठोर निवारक कार्रवाईः** 05 तस्करों के विरुद्ध PIT-NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

भू-माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा : फर्जी वसीयत बनाकर करोड़ों की जमीन बेचने का मामला

फर्जी दस्तावेजों से जमीन बेचने का पर्दाफाश, साजिशकर्ता गिरफ्तार

विक्रम सीमेंट फैक्ट्री का अधिकारी भी बना आरोपी, मुख्यमंत्री के विशेष अभियान के तहत नयागांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

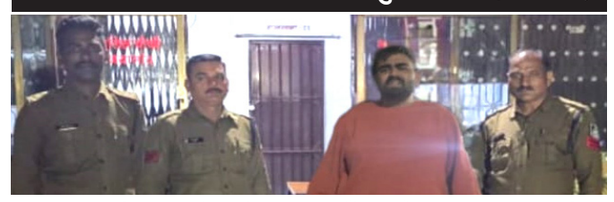

जावद (निप्र)। प्रदेश में भू-माफियाओं के विरुद्ध मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जावद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस चौकी नयागांव ने जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे खुर्द-बुर्द करने वाले मुख्य षड्यंत्रकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में विक्रम सीमेंट फैक्ट्री खोर के एक अधिकारी की संलिप्तता भी सामने आई है, जिसे पुलिस ने आरोपी बनाया है।

ऐसे हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा – चित्तौड़गढ़ जिले के चरलिया ब्राह्मण निवासी फरियादी बंशीलाल धाकड़ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके दिवंगत पिता बगदूराम धाकड़ के नाम से आरोपियों ने एक कूटरचित (फर्जी) वसीयत तैयार की। इस वसीयत के आधार पर नामांतरण कराकर नयागांव स्थित बेशकीमती जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करवा ली गई और उसे बेच दिया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया।

रिमांड में खुला फैक्ट्री अधिकारी का नाम – पुलिस अब तक इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। 22 दिसंबर 2025 को मुख्य आरोपी अक्षय शर्मा (निवासी बाबल) को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया। पूछताछ में अक्षय ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि इस पूरी साजिश में विक्रम सीमेंट फैक्ट्री खोर का अधिकारी प्रमोद रथ भी शामिल था।

प्रमोद फैक्ट्री के लिए जमीन खरीदने का काम देखता था और उसने पद का दुरुपयोग कर इस फर्जीवाड़े में सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया है।

पुलिस टीम की मुस्तैदी – यह कार्रवाई एसपी अंकित जायसवाल, एएसपी नवलसिंह सिसौदिया और एसडीओपी रोहित राठौर के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में नयागांव चौकी प्रभारी मंगलसिंह राठौड़ व टीम ने साक्ष्यों के आधार पर कड़ियां जोड़ीं। पुलिस अब अन्य संदिग्धों और जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य दस्तावेजों की गहनता से जांच कर रही है।

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकर्षण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

वन्देमातरम राष्ट्रभक्तो का मुलमंत्र है विहिप बजरंग दल की शौर्य सभा में बोले मुकेश मालवा, हजारों बजरंगियों ने निकाला शौर्य संचलन

नीमच (निप्र)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा रविवार को नीमच के दशहरा मैदान में भव्य शौर्य सभा व शौर्य संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं रामदरबार के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की भूमिका विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला ने रखी उन्होंने कहा कि बजरंग दल समाज के बीच यह संदेश देता है कि जब तक बजरंगी है, जब तक बजरंग दल है, किसी भी जिहादी या विधर्मी से डरने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई विधर्मी षड्यंत्र करता है, चाहे वह लव जिहाद हो, लैंड जिहाद हो या किसी भी प्रकार का जिहाद, तो बजरंग दल अपने हाथ में दंड लेकर समाज को आश्वस्त करता है कि हम उनकी और हमारी गौ माता की रक्षा के लिए तत्पर हैं।

झाला के उद्बोधन के पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कवि एवं प्रांत विमर्श प्रमुख मुकेश मोलवा ने कहा गुरु तेगबहादुर के बलिदान के 350 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और यह बलिदान आज भी राष्ट्र को प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि बजरंग दल राष्ट्र शक्ति के रूप में सेवा, सुरक्षा और संस्कार के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रहा है, उन्होंने इतिहास के महान नायकों का स्मरण करते हुए कहा कि चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, विक्रमादित्य, यशोधर्मा, बाजीराव, रविदास, रामप्रसाद बिस्मिल, केशव और माधव हमारे आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि जब भी मथुरा में कन्हैया और काशी का आह्वान होगा, देश का युवा संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा। गौ, गंगा, गायत्री और गीता की रक्षा का संकल्प दोहराया। इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने पृथ्वीराज चौहान और स्कंदगुप्त के शौर्य का उल्लेख किया और कहा कि इन वीरों का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक है।

धर्मो रक्षति रक्षितः' और 'सेवा, सुरक्षा, संस्कार' के आदर्शों पर

चलने वाला यह बजरंग दल का कार्यकर्ता है। बजरंग दल राष्ट्र की शक्ति है, बजरंग दल राष्ट्र की चेतना है, बजरंग दल हिंदू समाज का सुरक्षा कवच है।'

'जिस तरह से जिहादी लोग जिहाद करते हैं और वे राष्ट्रीय मूल्यों का सम्मान नहीं करते हैं, लेकिन बजरंग दल हिंदू समाज की रक्षा के लिए, राष्ट्र के मूल्यों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। और इसीलिए भारत माता के लिए अपने प्राण लुटाने को भी तैयार है।'

'बजरंग दल का कार्यकर्ता इस राष्ट्र के लिए, इस मिट्टी के लिए अपना बलिदान तक करने को तैयार है। और कल जैसा कि वीर बाल दिवस था, गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान, तो यह बजरंग दल का कार्यकर्ता भी उन्हीं के आदर्शों पर चलता है। और बजरंग दल का कार्यकर्ता भारत माता को परम वैभव पर स्थापित करने के लिए कार्य करता है ।

शौर्य सभा के पश्चात विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला मंत्री कैलाश मालवीय, बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर के नेतृत्व में शौर्य संचलन निकला, मुख्य ध्वजा जिला सहसंयोजक बृजेश वाल्मीकि ने थामी हुई थी। संयोजक पवन जयसवार और दिलीप ग्वाला ने अग्रिम पंक्ति में ध्वजा थमी हुई थी, घोष का नेतृत्व जिला गौरक्षा प्रमुख राहुल कुशवाह द्वारा किया गया, मध्य में कपिल बैरागी ने वाहिनी का नेतृत्व किया । संचलन दशहरा मैदान से प्रारंभ हुआ जो कि श्री अनंत बालाजी, गांधी भवन, लायंस पार्क चौराहा, अजमीढ़ जी सर्कल, एलआईसी चौराहा, विश्वकर्मा चौराहा, शिवाजी सर्कल, एसपी कार्यालय, सब्जी मंडी, महेश सर्कल, कमल चौक, फव्वारा चौक, नया बाजार, घंटाघर, पुस्तक बाजार, भारत माता चौराहा, विजय टॉकीज चौराहा होते हुए पुनः दशहरा मैदान पहुंचा जहां पर आयोजन का समापन हुआ ।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता पूर्ण गणवेश में अनुशासित कदमताल करते हुए नगर में निकले। घोष और देशभक्ति नारों से वातावरण ओज और उत्साह से भर गया। कार्यक्रम का संचालन विहिप जिला सहमंत्री विनोद माली ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ने किया। व्यवस्था संभालने में नीमच कैंट और यातायात पुलिस की सराहनीय भूमिका रही ।

व्यवहार से ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

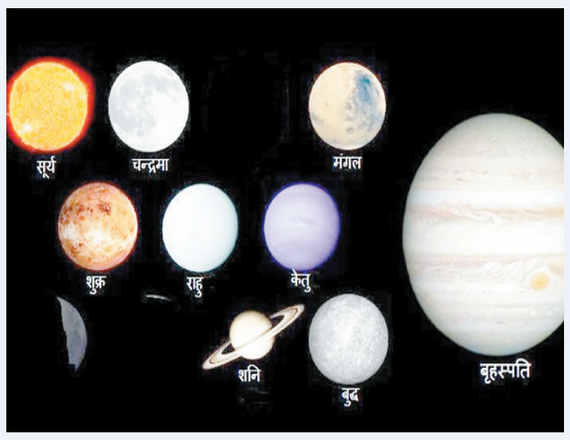

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात: और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।

दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।

इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

वास्तु: इस दिशा में खुले तिजोरी तो होता है धन-लाभ

हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें :

1. ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2. अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3. पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए। इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4. दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5. बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6. सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें।

भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा

कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा

सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

हर समय महसूस होती है उदासी तो आजमाएं ये अचूक वास्तु टिप्स, बढ़ेगी पॉजिटिविटी

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोगों को बिना किसी खास कारण के बेचैनी, उदासी और तनाव महसूस होने लगता है। यह कई बार हमारे आसपास मौजूद निगेटिव एनर्जी की वजह से होता है। जिसको वास्तु शास्त्र में 'वास्तु दोष' कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक हमारे घर की बनावट, रंगों का चुनाव और वस्तुओं की दिशा सीधे तौर पर हमारी मानसिक शांति और भावनाओं को प्रभावित करने का काम करता है।

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें हर समय की उदासी

घर की दीवारों पर नीरस और गहरे

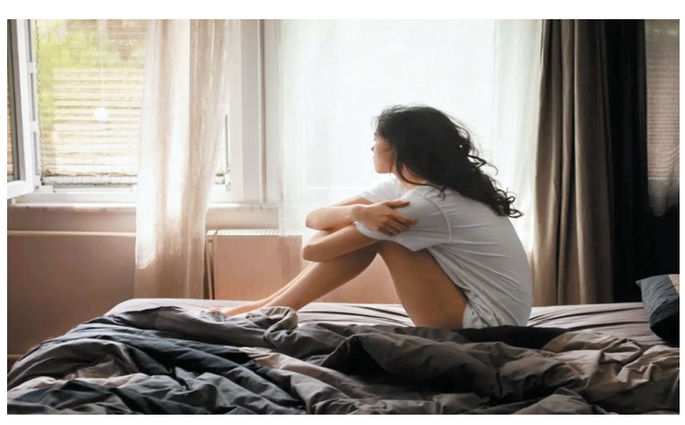

रंग जैसे काला और भूरे रंग की बजाय हल्के और शांतिपूर्ण रंग जैसे हल्का हरा, हल्का नीला, पीला या क्रीम करवाएं। इन रंगों को सिर्फ अपने घर की दीवारों तक ही सीमित न रखें, बल्कि आप खुद भी इस तरह के रंगों के कपड़े अधिक से अधिक पहनें।

शुरूआत में हो सकता है कि आपको लगे कि यह कौन सा तरीका हुआ उदासी को दूर करने का। लेकिन यकीन मानिए कि आपको धीरे-धीरे बदलाव खुद महसूस होने लगेगा। इन चीजों को शुभ प्रभाव आप पर पड़ रहा है और आप सकारात्मकता की तरफ बढ़ रहे हैं।

हर समय की उदासी को मिटाने के लिए घर के खिड़की-दरवाजों को नियमित रूप से खोलें। जिससे कि ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी अंदर आ सके। सूर्य की रोशनी पॉजिटिव एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। वहीं अंधेरा उदासी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

वहीं शाम के समय पूरे घर में सुगंधित धूप या अगरबत्ती जलाएं। या फिर चंदन या लैवेंडर की खुशबू का उपयोग करें। इससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है। सोते समय हमेशा अपना सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रखें।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में सिर करके सोने से नींद की समस्याएं और तनाव बढ़ सकता है। अपने बेडरूम में इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय शीशे में आपका प्रतिबिंब न दिखें। अगर शीशा ऐसी जगह पर है, तो रात में इसको पर्दे से ढक दें।

बेडरूम में आमने-सामने दो शीशें लगाने से भी तनाव बढ़ता है। वहीं अगर बिस्तर के ठीक ऊपर कोई बीम है, तो वहां से बिस्तर हटा लें। या फिर बीम को फॉल्स सीलिंग से ढक लें। बीम के नीचे सोने से मानसिक दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा घर में कहीं भी धूल, कचरा या मकड़ी के जाले न जमने दें। खासकर घर के कोनों में अच्छे से सफाई करें। घर की गंदगी निगेटिविटी और मानसिक बोझ को बढ़ाता है। घर से टूटी हुई या दरार आई हुई चीजों को हटा दें। टूटी या दरार आई हुई चीजें नकारात्मकता लाती हैं, जोकि रिश्ते में तनाव व कलह का कारण बनती हैं। घर के पूर्व-उत्तर कोने को हमेशा साफ, हल्का और खाली रखें। क्योंकि यह दिशा शांति और मानसिक स्पष्टता से जुड़ी है। इसलिए इस दिशा में भारी सामान रखने से बचना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए घर के ईशान कोण में किसी बड़े पात्र में साफ जल भरकर रखें। या फिर इस जगह एक छोटा सा पानी का फाउंटेन लगाएं।

एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना चाहिए या नहीं?

अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या उन्हें जल अर्पित करना शुभ होता है या अशुभ। इस विषय को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनके कारण लोग भ्रम में पड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस पर क्या बताया है। हिंदू धर्म में तुलसी पौधा को पूजनीय माना गया है। हर घर में तुलसी मां की पूजा जरुर की जाती है। तुलसी का पौधा आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है। माता लक्ष्मी का स्वरुप है तुलसी जी। तुलसी की पूजा करने बेहद पुण्यदायक माना जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ को लेकर कई नियम बताएं है। ऐसे में मां तुलसी की पूजा करने के कुछ जरुरी नियम है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई घरों में एकादशी के दिन तुलसी की पत्तियां नहीं तोड़ी जाती है। इसके अलावा तुलसी के पौधे को जल देना शुभ नहीं होता है। आपके मन में भी अक्सर सवाल जरुर आता होगा कि एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या जल चढ़ाना शुभ माना जाता है या अशुभ।

तुलसी की पूजा क्यों जरुरी है?

तुलसी जी की पूजा, दर्शन और सेवा करने से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। तुलसी की मंजरी को भगवान के चरणों में अर्पित करने वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी दोषयुक्त क्यों न हो, यमपुरी का भय कभी महसूस नहीं करता। घर में तुलसी का पौधा लगाने से श्राद्ध कर्म करने जितना कल्याण होता है और पितर भी तृप्त होते हैं।

निर्णय : गांवों और स्कूलों में तैनात होंगे 'सेल्फ मोटिवेटेड एंबेसडर'

बाल विवाह मुक्त बनेगा नीमच

कलेक्टर ने जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक में दिए निदश आंगनबाड़ी कों की निगरानी और बच्चों क पोषण पर जताया जोर

नीमच (निप्र)। जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए प्रशासन ने अब जनभागीदारी का सहारा लेने का निर्णय लिया है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक में निर्देश दिए कि जिले के सभी गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और पंचायतों में सेल्फ मोटिवेटेड एंबेसडर' का चयन कर उन्हें तैनात किया जाए। ये एंबेसडर बाल विवाह रोकथाम के लिए वातावरण तैयार करेंगे और ग्रामीणों को जागरूक करने में प्रशासन का सहयोग करेंगे।

40 ग्राम पंचायतें होंगी महिला-बाल हितैषी घोषित – बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि विभाग द्वारा तय मानकों के आधार पर जिले की 40 ग्राम पंचायतों को 'बाल हितैषी' और

'महिला हितैषी' ग्राम पंचायत घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर ने महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए सक्रिय होने को कहा।

निरीक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पोर्टल पर देनी आंगनवाड़ी केंद्रों होगी रिपोर्ट के संचालन में कसावट लाने के लिए कलेक्टर ने कड़े निर्देश दिए हैं। अब जिले के सभी सीडीपीओ (CDPO) को हर महीने न्यूनतम 40-40 आंगनबाड़ी केंद्रों का अनिवार्य रूप से भ्रमण करना होगा। निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट विभागीय पोर्टल पर अपलोड करनी होगी ताकि केंद्रों की वास्तविक स्थिति की निगरानी की जा सके।

कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान गंभीर कुपोषित – और मध्यम कुपोषित श्रेणी के बच्चों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए कि इन श्रेणियों के प्रत्येक बच्चे को पूरे माह नियमित रूप से टी. एच. आर. और गर्म पका हुआ भोजन व नाश्ता उपलब्ध कराया जाए। हर माह के तीसरे मंगलवार को सभी बच्चों का वजन और ऊंचाई माप कर 'संपर्क ऐप' पर उनकी प्रोफाइल अपडेट की जाए। बच्चों के माता-पिता की काउंसलिंग कर उन्हें संतुलित और पोषक आहार देने के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में ये रहे मौजूद – इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, सहायक संचालक वैभव बैरागी सहित सभी सीडीपीओ, सेक्टर सुपरवाइजर और समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बच्चों के विकास और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कॉलेज में उमड़ा भविष्य के सितारों का सैलाब

कैरियर काउंसलिंग : स्कूली विद्यार्थियों ने जाना उच्च शिक्षा का महत्व, प्रयोगशालाओं और सुविधाओं को देख हुए उत्साहित

जीरन (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आगामी सत्र 2026-27 में शासकीय महाविद्यालयों में शत प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए 'कॉलेज चलो अभियान' के तहत जीरन परिक्षेत्र में उत्साह का माहौल है। अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के आठ प्रमुख विद्यालयों के कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कॉलेज भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गत दिनों शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल जीरन, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, टैलेंट एकेडमी और स्वामी विवेकानंद एकेडमी के विद्यार्थियों ने कॉलेज परिसर का दौरा किया। स्कूल प्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में पहुंचे इन छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण का सूक्ष्म अवलोकन किया।

पीपीटी से दी नई शिक्षा नीति की जानकारी – भ्रमण के दौरान महाविद्यालयीन स्टाफ ने विद्यार्थियों को विशेष पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से शासन की कल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के तहत उपलब्ध कोर्सेस की विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को परीक्षा योजनाओं और कॉलेज की अब तक की गौरवशाली उपलब्धियों से भी अवगत कराया गया।

टीम ने किया प्रेरित– प्राचार्य डॉ. दीपा कुमावत एवं अभियान के नोडल अधिकारी श्री गजेन्द्र आर्य के नेतृत्व में कॉलेज की टीम ने विद्यार्थियों की कैरियर काउंसलिंग की। टीम में शामिल श्री आशीष सोनी, रवीना दशोरा, सोनम घोटा, अंकिता खरे और सीमा चौहान सहित समस्त स्टाफ ने 12वीं के विद्यार्थियों से व्यक्तिगत संपर्क साधा।

उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए जीरन कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

लक्ष्य अधिक से अधिक प्रवेश अभियान – अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्थानीय शासकीय महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों से परिचित कराना है, ताकि वे बेहतर भविष्य के लिए सही संकाय का चुनाव कर सकें।

नीमच सिटी पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई....

रजनीगंधा के पाउच में मिलाकर बेच रहे थे एमडी ड्रग्स, दो गिरफ्तार

3.60 लाख की एमडी जब्त : मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा, मुख्य आरोपी सहित एक अन्य साथी भी गिरफ्त में

नीमच (निप्र)। नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नीमच सिटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 36 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी (मेफेड्रोन) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है। आरोपी शातिराना तरीके से रजनीगंधा के पाउच में ड्रग्स मिलाकर युवाओं को निशाना बना रहे थे।

मुखबिर की सूचना पर दी दबिश – पुलिस के अनुसार, 27 दिसंबर 2025 को सूचना मिली थी कि सचिन नामक युवक सफेद चेक्स वाली जैकेट पहने मनासा नाका और कॉलेज क्षेत्र के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। सूचना थी कि वह रजनीगंधा के पाउच में एमडी ड्रग्स मिलाकर बेच रहा है। पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर घेराबंदी की और इंदिरा नगर निवासी सचिन (24) पिता दिनेश दास बैरागी को धर दबोचा। तलाशी लेने पर उसके पास से 36 ग्राम एमडी और रजनीगंधा के 10 पाउच बरामद हुए।

पूछताछ में खुले अन्य नाम – गिरफ्तारी के बाद आरोपी सचिन के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने ग्वालटोली निवासी यश उर्फ रॉकी पिता अनिल शर्मा और सलमान उर्फ छोटू पिता शाबीर खान को भी मामले में आरोपी बनाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यश उर्फ रॉकी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से मादक पदार्थ के परिवहन में उपयोग की गई मोटरसाइकिल और एमडी पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली पॉलिथीन भी जब्त की गई है।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार – सचिन पिता दिनेश दास बैरागी उम्र 24 साल निवासी तलाई के पास इंदिरा नगर नीमच थाना नीमच सिटी, यश उर्फ रॉकी पिता अनिल शर्मा निवासी ग्वालटोली, नीमच।

यह आरोपी है फरार – सलमान उर्फ छोटू पिता साबिर खान, निवासी स्कीम नं. 08 नीमच (पुलिस थाना नीमच केंट के अप.क्र. 585/25 धारा 8/22, 29 एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार है)

रिमांड पर लिए गए आरोपी – पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 616/2025, धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वे यह नशीला पदार्थ कहाँ से लाते थे और इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड

- **सचिन बैरागी** - पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 537/2021 धारा 294, 323, 506, 34 भादवि एवं 3 (1), (आर), 3 (1) (एस)) (एस), 3 (1) (द), 3 (1) (ध), 3(2) (वीए) एससीएसटी एक्ट, पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 276/2022 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट, पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 200/2024 धारा 294, 323, 341, 506, 34 भादवि, 4. पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 616/2025 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट।
- **यश शर्मा** – 1. पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 276/22 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट, 2. पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 53/24 धारा 379, 34 भादवि, 3. पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 273/24 धारा 323, 324, 294, 506, 24 भादवि एवं 3 (1), (आर) 3(1)(एस 3(1) (द), 3(1) (ध), 3(2) (वीए) एससीएसटी एक्ट, 4. पुलिस थाना नीमच सिटी - अप.क्रं. 616/2025 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट।
- **पुलिस टीम की उपलब्धि** – इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी पुष्पा सिंह चौहान सहित उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने मौके से कुल 3 लाख 60 हजार की एमडी, 200 रुपये मूल्य के रजनीगंधा पाउच और ड्रग्स बिक्री से प्राप्त 1400 रुपये नकद बरामद किए हैं। फरार आरोपी सलमान उर्फ छोटू की तलाश जारी है।

मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस का प्रहार

27.5 किलो डोडाचूरा जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

जावद (निप्र)। मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एवं पुलिस महानिदेशक, भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नीमच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना प्रभारी जावद निरीक्षक जितेन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में जावद थाना पुलिस ने 27 किलो 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा जब्त कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिनांक 26 दिसंबर 2025 को ग्राम कानका फंटा, जावद पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक सफेद रंग की बिना नंबर की हुंडई वर्ना कार को रोका।

तलाशी के दौरान कार से 27 किलो 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया। मौके से कार चालक सहित वाहन में सवार तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 584/2025 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पूछताछ के आधार पर दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। डोडाचूरा की तस्करी के संबंध में विस्तृत जांच जारी है।

ट्रेनों से चादर व टावल साथ ले जा रहे यात्री, दो साल में रेलवे का 34 लाख से ज्यादा का नुकसान

भोपाल। रेलवे में यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर चोरी की मार लगातार बढ़ती जा रही है। बीते दो वर्षों में ट्रेनों से लिनन सामान की चोरी के कारण रेलवे को 34 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा चोरी सफेद बेडशीट की हुई है, जिससे अकेले इसी एक आइटम में 20 लाख रुपये से ज्यादा की क्षति दर्ज की गई है।

दो साल में हजारों लिनन आइटम गायब – वित्तीय वर्ष 2024-25 में सफेद बेडशीट, पिलो कवर, कंबल और तकिये समेत कुल 11,709 लिनन आइटम चोरी हुए, जिससे रेलवे को 23.01 लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसमें सफेद बेडशीट की चोरी सबसे ज्यादा हुई। वहीं, अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच भी 11,682 लिनन आइटम गायब पाए गए, जिनकी कीमत 11.74 लाख रुपये से अधिक आंकी गई।

पीक सीजन में बढ़ती हैं चोरी की घटनाएं – रेलवे सूत्रों के अनुसार पीक सीजन, यानी विंटर और समर सीजन में चोरी की घटनाएं ज्यादा होती हैं। खासतौर पर स्पेशल ट्रेनों में नियमित चेकिंग की कमी के कारण चोरों को मौका मिल जाता है। बिहार रूट की ट्रेनों में चोरी की शिकायतें अधिक सामने आती हैं, जबकि अगरतला एक्सप्रेस और हमसफर ट्रेनों में भी ऐसे मामले दर्ज किए गए हैं।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

हृदय रोगों के लिए अंचल का एकमात्र स्थान
आपका दिल अनुभवी हाथों में है।
नीमच के एकमात्र अनुभवी एंव वरिष्ठ
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. (मेजर)अजीत प्रताप सिंह
MBBS, MD Medicine DM Cardiologist (Gold Medalist)
EX-Indian Army Officer (Dr.)
की नियमित की सेवाएं
संबंधित बीमारी हेतु मिलें
- हार्ट अटैक, सीने में तेज दर्द होना
- छाती में भारीपन महसूस होना
- हाई ब्लड प्रेशर
- जन्मजात हृदय रोग
- बच्चों में हृदय संबंधी समस्याएं
- ज्यादा पसीना आना
- चलने/लेटने पर सांस का भरना
- नाड़ी का तेज या धीमा चलना
- सीने के बीच या साइड मे जलन होना
- शुगर व गुर्दा रोग के कारण हार्ट पर दुष्प्रभाव होना
- हृदय या शरीर की किसी भी नली में रुकावट

हृदय रोग
संबंधित सम्पूर्ण जाँचें कैप लेब द्वारा
- एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी
- इकोकार्डियोग्राफी एवं TMT/Holter ABPM
- CRT/ ICD/ पेसमेकर की सुविधा उपलब्ध
- कार्डियक एवं वेस्कुलर संबंधी जाँच
- बच्चों में हृदय संबंधित समस्याएँ
- हृदय रोग का अत्याधुनिक इलाज

प्रतिदिन परामर्श : समय - प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक
किसी भी हृदय रोग सम्बंधित इमरजेंसी में सम्पर्क करे
ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ग्राम: कनावटी, ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, नीमच (म.प्र.)
सम्पर्क : 07423-354354, 6262778282

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी,
SP, DSP, CID इंस्पेक्टर,CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट,
इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर,
बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड,नीमच मो. 9300905061

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।